QP – 058

III Semester B.Sc. Examination, March/April 2022
(CBCS Scheme) (F+R)
(2019 – 20 and Onwards)
HINDI LANGUAGE (Paper – III)
Natak, Nibandh Aur Sankshepan

Time : 3 Hours Max. Marks : 70

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **एक शब्द** या **एक वाक्य** में लिखिए । **(10×1=10)**

1) किस गाँव की कथा को 'काला पत्थर' नाटक में दर्शाया गया है ?
2) कल्लू सेठ की कितनी सन्तान थी ?
3) पुनिया का विवाह किस आयु में हुआ ?
4) पलटू ने कल्लू सेठ को कर्ज के बदले में क्या दिया ?
5) सरपंच ने कल्लू सेठ का विवाह करवाने के लिए कितने रुपये माँगे ?
6) पुनिया ने तलाक की अर्जी कहाँ दी ?
7) कल्लू सेठ ने सन्तोषी का कर्ज माफ करने के लिए क्या शर्त रखी ?
8) खोदवा चोर अपने साथ क्या लाया था ?
9) भिरवारी पहले क्या काम करता था ?
10) काला पत्थर नाटक के रचनाकार कौन है ?

II. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए । **(2×7=14)**

1) ''पिछले पाँच सालों में मैंने कितना कुछ झेला है, तुम नहीं जानते । तुम्हें स्वीकार न कर मैंने तुमसे ज्यादा दु:ख झेले हैं ।''
2) ''सब गरीबी के मारे है । कितनी बड़ी विषमता है । किसी के पास करोड़ो रुपया भरा पड़ा है, किसी के पास खाने के लाले पड़े है ।''
3) ''मुझे ऐसे नीच आदमी से गुजारा भत्ता नहीं चाहिए । मैं मेहनत मजदूरी करके अपना पेट पाल लूंगी ।''

III. 'काला पत्थर' नाटक का सारांश लिखते हुए उसकी विशेषताएँ बताइये । **(1×16=16)**

अथवा

'काला पत्थर' नाटक में चित्रित सामाजिक समस्याओं पर प्रकाश डालिए ।

P.T.O.

QP – 058

IV. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए । **(2×5=10)**

1) प्रभात

2) सन्तोषी

3) दुरजन ।

V. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर निबन्ध लिखिए । **(1×10=10)**

1) जल संसाधन : बेहतर संरक्षण एवं प्रबन्धन की जरूरत ।

2) साइबर अपराध ।

VI. निम्नलिखित गद्यांश का उचित शीर्षक लिखते हुए **एक** तिहाई शब्दों में संक्षेपण कीजिए । **(1×10=10)**

किसी देश की उन्नति एवं अवनति में वहाँ के साहित्य का बड़ा योगदान होता है । चाहे वह देश को उन्नति की चरमसीमा पर पहुँचा दे और चाहे तो अवनति के गर्त में गिरा दे । जहाँ न पहुँचे रवि, वहाँ पहुँचे कवि । साहित्य निर्जीव जाति में प्राण प्रतिष्ठा करता है । वही राजनीतिज्ञों को प्रेरणा देता है और राजनीतिज्ञों का पथ प्रदर्शन करता है । वही अतीत के गौरव के गीत गाता है और साथ ही भविष्य की स्वर्णिम कल्पना करता है और उत्साह का संचार करता है । इस प्रकार साहित्य देश की भावी पीढी का मार्ग प्रशस्त करता है । वर्तमान साहित्यकारों का कर्तव्य है, कि वे एक ऐसे साहित्य का निर्माण करे, जिससे देश के आत्म गौरव और गरिमा में वृद्धि हो ।